

27.01.2021

पनावली-पेशा। चूँकि प्रा. पत्र के साथ पेशा मूल-बाद-  
स्वार्थिज किया जा-युका है, प्रा. पत्र जुलुआर रिडे बनाम  
परमपीत कोर-प्रादि अंतर्गत आरा 212, राज.  
काइतकी-अधिनिग्रम, 1955 इमी इतर पर स्वार्थिज  
किया जाता है। अदिशा सुनाया गया। पनावली-कंसल  
सुमार होकर दारिल नफर हो। 2

आ जिला कलेक्टर  
श्री विजयनगर